जयपुर को राजस्थान के सबसे साफ शहर का अवार्ड मिला

''स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में गुलाबी नगरी को ''स्टेट फर्स्ट ऑफ स्वच्छ सिटी अवॉर्ड'' से नवाजा गया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । स्वच्छता सर्वेक्षण में जयपुर को राजस्थान के सबसे साफ शहर का अवार्ड मिला। जयपुर को मिले ''स्टेट फर्स्ट ऑफ स्वच्छ सिटी'' अवॉर्ड यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, जयपुर मेयर सुनील कोठारी, नगर निगम कमिश्नर ओम कसेरा को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने दिया। यह इनाम कचरा संग्रहण, वाटर मैनेजमेंट समेत कई कामों के लिए मिला है।

बुधवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के परिणाम घोषित किए गए। राजस्थान के किसी शहर की रैंकिंग किसी भी कैटेगरी में टॉप 3 में नहीं आई है। वहीं 10 लाख से ज्यादा आबादी में देश के स्वच्छ तीन शहरों में जयपुर शामिल नहीं है। पिछली बार इसमें जयपुर टॉप 20 में रहा था।

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से राज्यों के मुख्य सचिवों को भेजे गए पत्र में पुरस्कार समारोह की जानकारी दी गई थी। इसमें चयनित शहरों के प्रतिनिधियों को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बुलाया गया था। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विजेता शहरों को सम्मानित किया।

दरअसल पिछले स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में जयपुर ग्रेटर ने 16वीं और जयपुर हेरिटेज ने 20वीं रैंक हासिल की थी। दोनों निगमों को थ्री-स्टार रेटिंग भी मिली थी। इस बार दोनों निगमों के एकीकृत होने के बाद जयपुर ने एक शहर के रूप में सर्वेक्षण में हिस्सा लिया है।

जयपुरवासियों की मेहनत का परिणाम : महापौर

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त कर जयपुर को मिले ''स्टेट फर्स्ट-स्वच्छ सिटी अवॉर्ड'' पर महापौर सुनील कोठारी ने शहरवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के हाथों मिला यह सम्मान सफाई मित्रों, नगर निगम अधिकारियों-कर्मचारियों और जागरूक नागरिकों की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत संकल्प और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व को समर्पित किया। कोठारी ने कहा कि जयपुर के प्रत्येक वार्ड, गली और मोहल्ले में बेहतर सफाई, आधुनिक कचरा प्रबंधन और नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित करना उनका संकल्प है। उन्होंने कहा ''म्हारो प्यारो जयपुर, आपां सब मिल इनै बनावां न्यारो जयपुर।''



नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, जयपुर के महापौर सुनील कोठारी व आईएएस रवि जैन व ओम प्रकाश कसेरा ने अवार्ड ग्रहण किया।



6000 टन कचरा उठाकर बनाया था रिकॉर्ड

दरअसल, जयपुर को स्वच्छता के शिखर पर पहुंचाने के लिए 18 अप्रैल 2026 को नगर निगम ने अब तक का सबसे बड़ा सफाई अभियान सफाई सेवा मैराथन-2026 चलाया था। इसके तहत एक ही दिन में 6000 टन कचरा उठाकर नया रिकॉर्ड बनाया गया था। शहर के 150 वार्डों में सुबह 7 बजे से चले अभियान में 9 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी मैदान में उतरे थे।

करीब 1500 वाहनों के जरिए 7000 ट्रिप्स में कचरे का निस्तारण किया गया था। नगर निगम कमिश्नर ओम कसेरा भी सुबह 7 बजे से देर शाम तक लगातार फील्ड में सक्रिय रहे थे। उन्होंने करीब 200 किलोमीटर का रूट कवर किया था, जिसमें 15 किलोमीटर पैदल निरीक्षण भी शामिल रहा था।

गत 18 अप्रैल को सफाई सेवा मैराथन-2026 में जयपुर के किशनपोल बाजार में पहुंचे कमिश्नर ओम कसेरा खुद को रोक नहीं पाए। कर्मचारी के साथ साफ-सफाई में उन्होंने हाथ बंटाया।

मेयर और कमिश्नर ने संभाला था मोर्चा

जयपुर में 1 नवंबर 2026 को ऑपरेशन क्लीन स्वीप 2.0 के तहत रात 12 बजे से पूरी रात परकोटे के प्रमुख बाजार और गलियों में सफाई की गई थी। अभियान में नगर निगम मेयर सुनील कोठारी और कमिश्नर ओम कसेरा ने भी मोर्चा संभाला था। करीब ढाई हजार सफाई कर्मचारियों और 1000 संसाधनों की मदद से परकोटे के बाजार, सड़कों और गलियों से कचरा हटाया गया था। मेयर सुनील कोठारी ने खुद झाड़ू लेकर सफाई की थी। गत 5 नवंबर को सुबह 7 बजे शहर के सभी 150 वार्डों में एक साथ विशेष सफाई अभियान हुआ था। इसमें नगर निगम के करीब 9 हजार अधिकारी और कर्मचारी मैदान में उतरे थे। नगर निगम के अनुसार इस विशेष अभियान में 7 टन से अधिक कचरा एकत्र किया गया था।

रबी सीजन में पूरी क्षमता से बिजली उत्पादन के निर्देश, कोयला भंडार बढ़ाने पर जोर

आरवीयूएन के सीएमडी देवेंद्र श्रृंगी ने कोटा और छबड़ा थर्मल विद्युत गृहों का निरीक्षण किया

जयपुर । राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेंद्र श्रृंगी ने सोमवार और मंगलवार को कोटा थर्मल तथा छबडा स्थित दोनों ताप विद्युत गृहों का निरीक्षण कर उत्पादन एवं परिचालन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने आगामी रबी सीजन में बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए सभी उत्पादन इकाइयों को पूर्ण क्षमता से संचालित करने और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



- उन्होंने बीईएसएस परियोजना का काम शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए

उन्होंने 1240 मेगावाट क्षमता वाले कोटा थर्मल और 2320 मेगावाट क्षमता वाले छबडा थर्मल की सभी इकाइयों का दौरा कर उनके रखरखाव और संचालन की जानकारी ली। श्रृंगी ने कहा कि प्रदेश की बढ़ती विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सभी इकाइयों की उपलब्धता और विश्वसनीयता बनाए रखना जरूरी है।

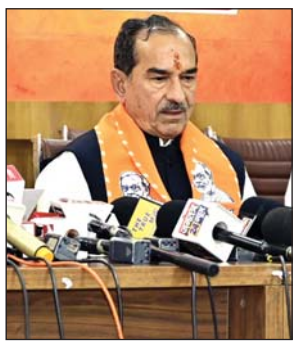
सीएमडी ने दोनों विद्युत गृहों में कोयला भंडार का जायजा लेते हुए आपूर्ति और दैनिक खपत की समीक्षा की। उन्होंने भविष्य की मांग के अनुरूप पर्याप्त कोयला स्टॉक रखने और उसमें वृद्धि करने के निर्देश दिए, ताकि उत्पादन प्रभावित नहीं हो।

उन्होंने कोटा थर्मल परिसर स्थित एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) के शेष कार्य शीघ्र पूरा करने तथा भारतीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्र की सुविधाओं को उन्नत बनाने पर जोर दिया। सकतपुरा स्थित बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) परियोजना का निरीक्षण कर निर्माण एवं स्थापना कार्य प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश भी दिए।

श्रृंगी ने छबड़ा थर्मल के डीएम-आरओ संयंत्र का निरीक्षण कर इसके प्रभावी और सुचारु संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि रबी सीजन में उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाएं। निरीक्षण के दौरान दोनों विद्युत गृहों के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

खरगे द्वारा दीपावली की तुलना ईद से करने पर कटाक्ष किया मदन राठौड़ ने

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि, ''खरगे के बयानों में बढ़ती उम्र का असर दिख रहा है। वे कभी प्रधानमंत्री के पिता के लिए कुछ बोल जाते हैं तो कभी दीवाली की तुलना ईद से करने लगते हैं।''



प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़

- मदन राठौड़ ने ''सोनिया गांधी की पुस्तक में आपातकाल के संदर्भ में संजय गांधी का उल्लेख किए जाने पर कहा कि, आपातकाल इंदिरा गांधी परिवार का सामूहिक निर्णय था, इसके लिए केवल एक व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराकर तत्कालीन प्रधानमंत्री को बचाया नहीं जा सकता।''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के हिंदू त्योहारों को लेकर दिए गए बयानों और सोनिया गांधी की पुस्तक में संजय गांधी से जुड़े उल्लेख पर प्रतिक्रिया दी। राठौड़ ने खरगे पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके बयानों में बढ़ती उम्र का असर नजर आ रहा है। कभी वे देश के प्रधानमंत्री के पिता को लेकर टिप्पणी करते हैं तो कभी दीपावली की तुलना ईद से करने लगते है।

राठौड़ ने कहा कि प्रत्येक त्योहार का समाज में अपना अलग महत्व और प्रसंग होता है। त्योहारों की तुलना करने के बजाय संबंधित पर्व के महत्व और उसकी परंपराओं पर बात करनी चाहिए। किसी एक समाज विशेष को खुश करने के लिए त्योहारों की तुलना करना उचित नहीं है।

उन्होंने खरगे के परिवार से जुड़े इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें याद रखना चाहिए कि उनके परिवार ने किन परिस्थितियों और यातनाओं का सामना किया था। उनकी माता, भाई और बहन को किसने जलाकर मार दिया था। इसके बावजूद इस तरह की बयानबाजी करना उचित नहीं है।

सोनिया गांधी की पुस्तक में आपातकाल के संदर्भ में संजय गांधी का उल्लेख किए जाने पर राठौड़ ने कहा कि संजय गांधी जब तक जीवित थे, तब तक इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी उनकी व्यवस्था के अनुसार चलते थे। ऐसे में उनके मरणोपरांत उनकी आलोचना करना और उन्हें कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आपातकाल इंदिरा गांधी परिवार का सामूहिक निर्णय था। इसके लिए केवल एक व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराकर तत्कालीन प्रधानमंत्री को बचाया नहीं जा सकता।

राठौड़ ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय है। उस दौरान लोकतंत्र की हत्या की गई, प्रेस की आजादी छीन ली गई और युवाओं की जबरन नसबंदी करवाई गई। यहां तक कि भारत माता की जय बोलने वालों को भी जेल में बंद कर दिया गया था। कांग्रेस को इन घटनाओं की जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि यह कहा जा रहा है कि संजय गांधी परोक्ष रूप से सरकार चला रहे थे तो यह और भी शर्मनाक है। उस समय देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। यदि सरकार किसी और के प्रभाव में चल रही थी तो इससे इंदिरा गांधी के नेतृत्व पर भी सवाल खड़े होते हैं। राठौड़ ने कहा कि जिनके नाम और प्रतिष्ठा के सहारे परिवार की राजनीतिक पहचान बनी, मरणोपरांत उनकी आलोचना करना उचित नहीं है।

भाई दूज पर सेंट्रल जेल में उमड़ी बहनों की भीड़

जयपुर। भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व भाई दूज बुधवार को जयपुर सेंट्रल जेल में भी पारंपरिक तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों से बडी संख्या में बहनें जेल में बंद अपने भाइयों से मिलने पहुंचीं। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, अच्छे भविष्य और जल्द जेल से बाहर आने की कामना की। बहनों ने भाइयों को उनकी पसंद की मिठाई खिलाकर पर्व की रस्म निभाई। लंबे समय बाद अपनों से मिलकर कई बहनें और भाई भावुक हो गए।जयपुर सेंट्रल जेल के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट विल्सन शर्मा ने बताया कि जेल में सामान्य मुलाकात के अलावा रक्षाबंधन और भाई दूज जैसे त्योहार भी पारंपरिक रूप से मनाए जाते हैं। भाई दूज पर बहनों को विशेष व्यवस्था के तहत जेल के अंदर गेट के पास भाइयों से मुलाकात करवाई गई। इस दौरान बहनों ने सलाखों के बाहर से भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर मिठाई खिलाई और भाई दूज की रस्म पूरी की।

- बहनों ने अपने भाइयों की सलामती की दुआ मांगी



सुबह 8 से शाम 4:30 बजे तक मुलाकात

जेल प्रशासन की ओर से महिलाओं को अनुशासित तरीके से प्रवेश दिया गया। मुलाकात के दौरान बहनों को अधिकतम एक किलो मिठाई लाने की अनुमति दी गई। सुरक्षा के मद्देनजर जेल परिसर में विशेष इंतजाम किए गए थे। आरएसी और सुरक्षा कर्मियों का अतिरिक्त जाप्ता तैनात किया गया। जेल में प्रवेश से पहले महिलाओं की आवश्यक जांच की गई। दूर-दराज से आने वाली महिलाओं की सुविधा के लिए जेल परिसर के बाहर टेंट, कुर्सियों और पीने के पानी की व्यवस्था भी की गई। मुलाकात का समय सुबह 8 बजे से शाम 4:30 बजे तक निर्धारित किया गया था।

मिलन के दौरान छलके आंसू

भाई दूज के अवसर पर जयपुर सेंट्रल जेल के बाहर सुबह से ही बहनों की कतारें लगी रहीं। कई बहनें दूर-दराज के इलाकों से अपने भाइयों के लिए उनकी पसंद की मिठाई लेकर पहुंचीं। जेल की चारदीवारी के पीछे भाइयों से मिलने का मौका उनके लिए बेहद खास रहा। बहनों ने तिलक लगाकर भाइयों की सलामती और बेहतर भविष्य की कामना की। वहीं, बहनों के हाथों से मिठाई खाते समय कई बंदी भी भावुक हो गए। कई बहनों के लिए लंबे समय बाद अपने भाइयों से मिलने का अवसर किसी मन्नत के पूरा होने जैसा था। इस दौरान कहीं खुशी तो कहीं अपनों से दूर रहने का दर्द दिखाई दिया। भाई दूज के इस आयोजन ने जेल की चारदीवारी के बीच भी भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और पारिवारिक प्रेम का एहसास कराया।

सड़क हादसों के मृतकों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

जयपुर। सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों की स्मृति में 15 नवंबर को जवाहर कला केंद्र में वर्ल्ड डे ऑफ रिमेम्बरेंस फॉर रोड ट्रैफिक विक्टिम्स कार्यक्रम आयोजित होगा। शाम 6 बजे होने वाले कार्यक्रम में गीत, नाटक और संवाद के जरिए सड़क सुरक्षा का संदेश दिया जाएगा। राजस्थान पुलिस के महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा (आईपीएस) मुख्य अतिथि होंगे।

अपहृत युवक को बचाया, अपहरण करने वाले तीन बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर । भांकरोटा थाना क्षेत्र में युवक का अपहरण करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात का चंद घंटों में खुलासा करते हुए अपहृत युवक को माधव फार्म हाउस, रिंग रोड के पास से सकुशल दस्तयाब कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वारदात में इस्तेमाल थार गाड़ी भी जब्त की गई है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि 10 नवंबर को चिमनपुरा रिंग रोड क्षेत्र से नियंत्रण कक्ष को सूचना मिली थी कि कुछ लोग एक कार में सवार होकर पडोस में रहने वाले युवक के घर पहुंचे और उसके साथ मारपीट कर शत्रुघ्न सैनी (21) का जबरन अपहरण कर थार गाड़ी में ले गए।

वही घटना की गंभीरता को देखते हुए भांकरोटा थानाधिकारी दीपक त्यागी के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता, सीसीटीवी फुटेज और लोकेशन के आधार पर आरोपियों का पता लगाया और माधव फार्म हाउस के पास दबिश देकर शत्रुघ्न सैनी को आरोपियों के कब्जे से मुक्त कराया।

पूछताछ में अपहृत युवक ने बताया कि आरोपियों ने पूर्व रंजिश के चलते मारपीट कर बदला लेने के उद्देश्य से उसका अपहरण किया था। पुलिस ने मौके से ओमेंद्र सिंह शेखावत (38), अशोक सिंह शेखावत (35) और ओमवीर सिंह शेखावत (38) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने अपहरण में प्रयुक्त थार गाड़ी भी जब्त कर ली है।

''एनपीएस संचय'' कार्यक्रम कल

जयपुर । पेंशन फंड रेग्युलेटर एंड डवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति राजस्थान के समन्वय से भारतीय स्टेट बैंक के अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय जयपुर की ओर से 13 नवंबर 2026 को 'एनपीएस संचय' आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अजमेर रोड, सोडाला स्थित द फर्न हैबिटेट (द ग्रैंड अनुकम्पा, श्याम नगर) में होने वाले कार्यक्रम का पहला सत्र सुबह 10 से दोपहर 1:30 बजे तक चलेगा।

समय पर पूरे हों रियल एस्टेट प्रोजेक्ट, उपभोक्ताओं को मिले सुविधाएं : वी. श्रीनिवास

मुख्य सचिव ने रेरा की मीटिंग में लेआउट प्लान की मंजूरी में देरी नहीं करने के निर्देश दिए

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रियल एस्टेट परियोजनाओं को निर्धारित समयावधि में पूरा कर उपभोक्ताओं को समय पर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। राजस्थान रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के कार्यों की समीक्षा बैठक में उन्होंने परियोजनाओं के पंजीकरण, निर्माण प्रगति और उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने नगरीय विकास एवं आवासन विभाग तथा स्थानीय स्वशासन विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने और परियोजनाओं के लेआउट प्लान की मंजूरी में अनावश्यक देरी नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वीकृत लेआउट प्लान शीघ्र रेरा को भेजने को कहा, ताकि पंजीकरण सहित अन्य प्रक्रियाओं में तेजी आ सके।

- वर्ष 2026 में 31 अक्टूबर तक 889 परियोजनाएं पंजीकृत हुई रेरा में वर्ष 2026 में 31 अक्टूबर तक 889 परियोजनाएं पंजीकृत हुई रेरा में

मुख्य सचिव ने क्रेडाई (कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया), टोडर (टाउनशिप डवलपमेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान) और राजस्थान अफोर्डेबल हाउसिंग डवलपर्स एसोसिएशन के अध्यक्षों एवं सदस्यों से रेरा के नियमों की पालना सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ता हितों का संरक्षण रेरा की प्राथमिक जिम्मेदारी है और शिकायतों के निस्तारण में बिल्डर्स एवं डवलपर्स को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने रेरा प्राधिकरण एवं निर्णायक अधिकारी के समक्ष लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने तथा लंबित रिकवरी प्रमाण-पत्रों की वसूली के लिए जिला कलेक्टरों के साथ समन्वय कर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में नियमों का उल्लंघन करने वाली परियोजनाओं के विरुद्ध कार्रवाई, परियोजनाओं के पंजीकरण, नियामकीय प्रावधानों के प्रति जागरूकता तथा राजस्थान संपर्क पोर्टल एवं सीपीग्राम्स पर प्राप्त शिकायतों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2026 में 31 अक्टूबर तक 889 रियल एस्टेट परियोजनाएं पंजीकृत हुई हैं, जबकि वर्ष 2025 में कुल 1,143 परियोजनाओं का पंजीकरण किया गया था।

40 विला खरीद विवाद के बीच जयपुर लौटे आईएएस शिखर अग्रवाल ने कार्मिक विभाग में उपस्थिति दी

एपीओ चल रहे आईएएस शिखर अग्रवाल और उनकी पत्नी प्रशाखा माथुर गए हुए थे अमेरिका

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर,उदयपुर और अलवर में 40 विला-कॉटेज खरीदने के मामले में विवादों में आए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शिखर अग्रवाल मंगलवार को जयपुर लौट आए। उन्होंने कार्मिक विभाग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्मिक विभाग ने 29 अक्टूबर को उन्हें एपीओ किया था। वहीं, उनकी आईपीएस पत्नी प्रशाखा माथुर को भी राज्य सरकार ने 31 अक्टूबर को एपीओ कर दिया था। शिखर अग्रवाल पत्नी प्रशाखा माथुर के साथ अमेरिका गए हुए थे। उन्होंने 11 नवंबर तक छुट्टी ली थी, लेकिन वे एक दिन पहले ही 10 नवंबर को जयपुर लौट आए। दंपती फिलहाल एपीओ चल रहे हैं। उनके जयपुर लौटने के बाद अब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की अगली कार्रवाई पर नजर है।

वहीं दूसरी ओर आरटीआई कार्यकर्ता अशोक पाठक ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर एसीबी की कार्रवाई पर सवाल उठाए है। पाठक का कहना है कि, 40 विला खरीद के इस प्रकरण में एसीबी द्वारा प्रारंभिक जांच (पीई) दर्ज किए जाने के बावजूद अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की है। आरटीआई कार्यकर्ता अशोक पाठक ने 10 नवंबर को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को दोबारा पत्र लिखकर कार्रवाई में देरी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने 15 नवंबर तक एफआईआर दर्ज नहीं होने पर राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग करने की चेतावनी दी है।

- वहीं दूसरी ओर आरटीआई कार्यकर्ता अशोक पाठक ने एसीबी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री को 10 नवंबर को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग उठाई है। पाठक का कहना है कि, एसीबी द्वारा प्रारंभिक जांच (पीई) दर्ज किए जाने के बावजूद अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की है। वारदात में इस्तेमाल थार गाड़ी भी जब्त की गई है। अगर 15 नवंबर तक एफआईआर दर्ज नहीं होने पर राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग रखी जाएगी।

पाठक ने पत्र में सुप्रीम कोर्ट के ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (2013) फैसले का हवाला देते हुए संज्ञेय अपराध सामने आने पर एफआईआर दर्ज करने की अनिवार्यता का उल्लेख किया है। साथ ही बीएनएसएस की धारा 173(3) के तहत प्रारंभिक जांच की 14 दिन की समयसीमा पर भी सवाल उठाया है।

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के 8 अप्रैल 2025 के स्टेट ऑफ कर्नाटक बनाम श्री चन्नाकेशव एचडी एवं अन्य के प्रकरण में फैसले का हवाला देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं 13 और 17 में एफआईआर से पहले प्रारंभिक जांच अनिवार्य नहीं है। पाठक ने आशंका जताई है कि दिल्ली के कुछ प्रभावशाली नेताओं के दबाव के कारण कार्रवाई आगे नहीं बढ़ रही। उन्होंने एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। पाठक ने मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच की संभावना भी उठाई है। मुख्यमंत्री को भेजे पत्र की प्रतियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा, प्रधान सचिव शक्तिकांत दास, निजी सचिव हार्दिक शाह, सीबीआई निदेशक और ईडी निदेशक को भी भेजी गई हैं। उन्होंने मांग की है कि एसीबी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर एफआईआर दर्ज करे अथवा आरोपों की पुष्टि नहीं होने पर नियमानुसार पीई बंद करे।

बारां आरओबी भूमि अधिग्रहण मामले में यथास्थिति के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने बारां के डबका फाटक पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण से जुडे मामले में विवादित निजी संपत्ति पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। न्यायाधीश आनंद शर्मा की एकल पीठ ने 6 नवंबर को बारां निवासी सरोज गर्ग की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार सहित सात प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सार्थक रस्तोगी ने अदालत में दलील दी कि भूमि अधिग्रहण अधिनियम-2013 के तहत धारा 15 की आपत्तियों का निस्तारण और मुआवजे का अवार्ड पारित किए बिना ही निर्माण के लिए टेंडर एवं वर्क ऑर्डर जारी कर दिया गया। याचिका में खसरा नंबर 866/864 की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है। अधिवक्ता ने यह भी बताया कि मौके पर 80 फीट चौड़ी मौजूदा सड़क और आसपास पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध है। ऐसे में निजी व्यावसायिक भूमि का अधिग्रहण अनावश्यक है। जनवरी 2025 में परियोजना का अलाइनमेंट बदलने के बावजूद नया सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन भी नहीं कराया गया। अदालत ने मामले में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव, बारां जिला कलेक्टर, एसडीओ एवं भूमि अधिग्रहण अधिकारी तथा पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल रेल प्रबंधक सहित सात प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए हैं।